हिन्दी, कक्षा–6
अधिगम प्रतिफल
(Learning Outcomes)

सीखने–सिखाने सम्बंधी अपेक्षाएँ

- विभिन्न प्रकार की ध्वनियों, भोजन सामग्रियों के स्वाद आदि के अनुभवों को अपने ढंग से मौखिक या सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करना। (ध्वनियों जैसे–हवा, रेल, फेरीवाला आदि)
- सुनी गई बातों एवं देखी गई घटनाओं पर बेझिझक बातचीत करना, सवाल करना।
- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारें में जानते हुए चर्चा करना।
- किसी पाठ्य–सामग्री का बारीकियों से जाँच करते हुए उसकी विषयवस्तु का अनुमान एवं निष्कर्ष निकालना।
- हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री यथा पत्र–पत्रिकाएँ, समाचार पत्र आदि को समझते हुए पढ़ना और अपनी राय देना।
- भाषा की बारीकियों जैसे– लय, मुहावरे आदि की सराहना करना।
- विभिन्न विधाओं में लिखी गई साहित्यिक सामग्री को उपयुक्त गति से पढ़ना।
- नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करना और उनके अर्थ को शब्दकोष में खोजना।
- विविध कलाओं से जुड़ी शब्दावली की भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करना।
- हिन्दी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री को समझ–पढ़कर, उसके प्रति अपनी पसंद व नापसंद को लिखित या ब्रेल भाषा में लिखना।
- विराम–चिह्नों का उपयोग करते हुए लिखना।
- विभिन्न अवसरों, संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखना।
- विभिन्न संदर्भों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते समय शब्दों, वाक्य–संरचनाओं, मुहावरों आदि का उचित प्रयोग करना।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना, बिहार

Bihar Government

unicef
for every child

हमारा बिहार

गणित, कक्षा–6
अधिगम प्रतिफल
(Learning Outcomes)

सीखने–सिखाने सम्बंधी अपेक्षाएँ

- बड़ी संख्याओं से संबंधित समस्याओं का हल उचित संक्रियाओं जैसे–जोड़, घटाव, गुणा, भाग का प्रयोग करके करना।
- रोमन संख्या–पद्धति को पढ़ने एवं लिखने की समझ होना।
- संख्याओं को सम, विषम, भाज्य, अभाज्य, सह–अभाज्य (Co-Prime) आदि श्रेणी में वर्गीकृत करना।
- 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10 और 11 से विभाज्यता नियम को प्रमाणित कर पाना।
- महत्तम समापवर्तक (HCF) एवं लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) का उपयोग करना।
- पूर्णाकों के जोड़ और घटाव पर आधारित समस्याओं को हल करना।
- रेखा, रेखा खण्ड, कोण, भुजा, त्रिभुज, चतुर्भुज, चतुर्भुज के विकर्ण एवं बन्द आकृतियों में अंत : एवं बाह्य भाग को बताने की समझ होना।

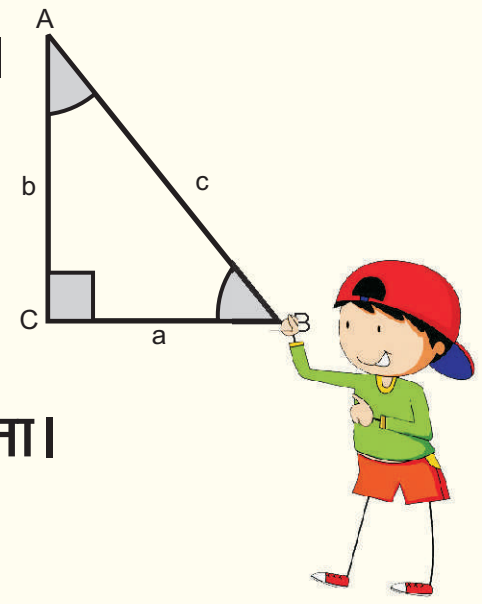

- कोणों के विशेष युग्मों को पहचानना तथा रेखा–खण्ड एवं कोणों की माप करना।
- कोणों की समझ रखना तथा किसी भी कोण के रचना का कारण समझना।
- त्रिभुज एवं चतुर्भुज के प्रकारो को बताना तथा बहुभुज के विकर्ण को दर्शाना।
- अपने दैनिक जीवन में मुद्रा, वजन, लम्बाई, तापमान आदि पर आधारित भिन्न एवं दशमलव भिन्न का उपयोग करना। (जैसे– लिखने में पन्ने का ¼ भाग छोड़ना, 5½ मी० लम्बा हॉल, 75.5 किलोमीटर पटना की दूरी को बताना)
- भिन्न एवं दशमलव भिन्न आधारित जोड़–घटाव से संबंधित दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करने की समझ होना।
- किसी परिवार के विभिन्न मदों में पिछले छ: महीनों में किए गए खर्चों को सारणी, पिक्टोग्राफ और बारग्राफ में व्यवस्थित करना और उसका अर्थ समझना।
- दैनिक जीवन में अनुपात–समानुपात तथा ऐकिक नियम का प्रयोग करके समस्याओं को हल करना।
- दी गई परिस्थितियों में चर का उपयोग करना (जैसे– उस आयत का परिमाप बताना, जिसकी भुजाएँ X मीटर और 5 मीटर हैं, अर्थात परिमाप 2(X+5) मीटर बताना)
- अपने दैनिक जीवन में परिमिति तथा क्षेत्रफल पर आधारित समस्याओं को हल करना।
- सममित आकृतियों की पहचान करना।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना, बिहार

Bihar Government

unicef for every child

हमारा बिहार

अंग्रेजी, कक्षा–6
अधिगम प्रतिफल
(Learning Outcomes)

सीखने–सिखाने सम्बंधी अपेक्षाएँ

The learner :

- recites and shares poems, songs, riddles, tongue twisters etc.
- participates in role play, group discussion, debate etc.
- responds to oral messages, telephonic communication in English and communicates them in English or home language.
- responds to announcements and instructions made in class and school assembly.
- responds to a variety of questions on familiar and unfamiliar texts orally and in writing.
- reads a variety of texts/newspapers/comics/riddles/plays in English/braille and identifies characters, sequence of ideas and events.
- reads to seek information from notice board, newspaper etc.
- reads a variety of texts in English/braille and identifies main ideas, characters, sequence of ideas and events and relates with her/his own experiences, internet etc.
- uses synonyms and antonyms appropriately; deduces word meanings from clues in context while reading a variety of texts.
- takes dictation of words/phrases/simple sentences and short paragraphs.
- uses synonyms and antonyms appropriately and deduces word meaning from clues.
- drafts, revises and writes short paragraphs based on verbal, print and visual clues.
- uses meaningful sentences to describe narrate factual/imaginary situation in speech and writing.
- writes coherently focussing on appropriate beginning, middle and end.
- refers to dictionary to check meaning and spelling.
- writes messages, invitations, short paragraphs and letters (formal and in formal).
- writes grammatically correct sentences on various topics using noun, pronoun verb, adverb, determiners etc.

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना, बिहार

Bihar Government

unicef
for every child

हमारा बिहार

सामाजिक विज्ञान, कक्षा–6

अधिगम प्रतिफल

(Learning Outcomes)

सीखने–सिखाने सम्बंधी अपेक्षाएँ

- सौरमंडल के बारे में जानना तथा तारों, ग्रहों, उपग्रहों में अंतर कर पाना।
- दिन और रात तथा जंतुओं की समझ रखना।
- पृथ्वी पर जैव मंडल होने के कारण, इसे एक विशिष्ट खगोलीय पिंड के रूप में समझना।
- पर्वत, पठार और मैदान में अंतर बताते हुए इन्हें भारत के मानचित्र पर अंकित करना।
- अक्षांश व देशांतर रेखाओं, दोनों ध्रुवों तथा विभिन्न दिशाओं को ग्लोब या मानचित्र पर अंकित करना।
- अपने आस–पड़ोस का मानचित्र बनाना तथा उस पर मापक, दिशाओं तथा अन्य विशेषताओं को रूढ़ चिह्नों से दर्शाना।
- बिहार की भौगोलिक विशेषता, वनस्पति, फसल, वन्य प्राणी आदि के संरक्षण की आवश्यकता को समझना।
- बिहार के ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थलों की जानकारी रखना।
- इतिहास अध्ययन के महत्व, काल–क्रम एवं काल–विभाजन की अवधारणा को स्पष्टता से समझना।
- विभिन्न प्रकार के ऐतिहासिक स्रोतों को पहचानना तथा इतिहास निर्माण में उनके उपयोग को समझना।
- महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पुरास्थलों एवं अन्य स्थानों को 'भारत की एक रूपरेखा' मानचित्र पर अंकित करना।
- प्राचीन काल के दौरान हुए व्यापक बदलावों को समझना। (जैसे–कृषि की शुरूआत, सिन्धु नदी के किनारें आरंभिक शहरों का बसना आदि)
- आरंभिक मानव जीवन के प्रति संवदेशीलता दिखाते हुए इसकी सांस्कृतिक विशेषताओं पर चर्चा करना।
- नगरीय सभ्यता की विशिष्टताओं को समझना, खासकर सिंधु घाटी सभ्यता के परिप्रेक्ष्य में।
- वैदिक संस्कृति की विशेषताओं एवं वेदों की महत्ता को समझना।
- महत्वपूर्ण साम्राज्यों, राजवंशों के विशिष्ट योगदानों को उदाहरणों के साथ सूचीबद्ध करना।
- प्राचीन काल के विभिन्न धर्मो के मूल विचारों एवं मूल्यों का विश्लेषण करना।
- मौर्योत्तरकालीन सांस्कृतिक एवं आर्थिक गतिविधियों को समझना।
- धर्म, कला, वास्तु कला आदि के क्षेत्र में भारत के वैश्विक संपर्क एवं उनके प्रभावों से परिचित होना।
- प्राचीन भारत की साहित्यिक रचनाओं में वर्णित मुद्दों, घटनाओं, व्यक्तित्वों आदि का वर्णन करना।
- प्रशासनिक संरचना, संस्कृति एवं विज्ञान के क्षेत्र में भारत के ऐतिहासिक योगदान को समझना।

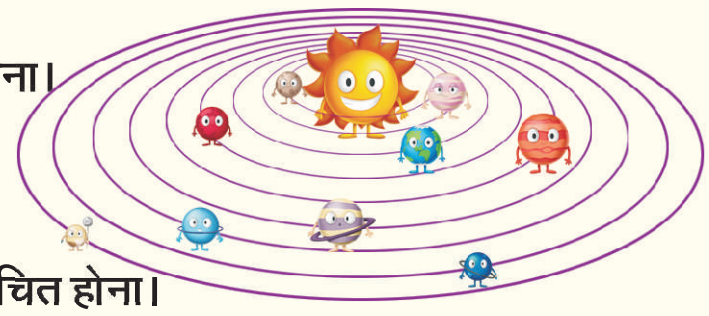

- विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं से संबंधित जानकारी का समन्वय करना।
- मानवीय विविधताओं को जीवन की समृद्धि से जोड़ते हुए उनके प्रति सम्मान भाव रखना।
- अपने आस–पास की मानवीय विविधता ,समानता एवं असमानता के विभिन्न रूपों को समझना।
- विभिन्न प्रकार के भेदभाव को पहचानना एवं उनकी प्रकृति एवं स्रोत को भी समझना।
- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विभिन्न रोजगारों के बारे में जानना।
- आधुनिक काल की विनिमय पद्धति तथा आर्थिक गतिविधियों के नियमन में सरकार की भूमिका का वर्णन करना।
- सरकार के विभिन्न स्तरों को समझना, उनमें अंतर करना तथा उनकी भूमिका का वर्णन करना।
- स्थानीय स्वशासन के विभिन्न संगठन, स्तर एवं कार्यों का वर्णन करना।
- यातायात संबंधी संकेतकों एवं नियमों के अनुपालन के प्रति संवेदनशीलता दिखाना।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना, बिहार

Bihar Government

unicef for every child

हमारा बिहार

विज्ञान, कक्षा–6

अधिगम प्रतिफल

(Learning Outcomes)

परिवेश की समझ और उसे अभिव्यक्त करने की क्षमता

- विभिन्न सामग्रियों तथा जीव–जन्तुओं की पहचान उनके गुणों के आधार पर करना।
- संरचना, कार्य एवं गुणों के आधार पर विभिन्न सामग्रियों तथा जीवों में अंतर करना।
- अवलोकनीय गुणों एवं लक्षणों के आधार पर वर्गीकरण करना। (जैसे–घुलनशीलता, पारदर्शिता आदि)

- सामान्य जाँच–पड़ताल या प्रयोग करना तथा सम्बंधित तालिका बनाना। (जैसे–प्रकाश का सीधी रेखा में गमन सम्बन्धी प्रयोग)
- प्रक्रियाओं एवं परिघटनाओं की व्याख्या तथा उनके कारणों को समझना। (जैसे–छाया का बनना, वायु प्रदुषण, वर्मीकम्पोस्ट निर्माण आदि)
- मापन करना तथा उसे एस.आई. मात्रक (अंतर्राष्ट्रीय मात्रक प्रणाली) में व्यक्त करना।
- नामांकित चित्र या फ्लो चार्ट आदि बनाना। (जैसे–पौधों के विभिन्न अंग, जल चक्र आदि)
- परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग कर विभिन्न मॉडल बनाना तथा उनके कार्यविधि की व्याख्या करना।
- अपने दैनिक जीवन में वैज्ञानिक अवधारणाओं की समझ का उपयोग करना।
- पर्यावरण संरक्षण एवं सम्वर्द्धन के प्रति संवेदनशीलता दिखाना तथा उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करना। (जैसे–भोजन)
- रूपरेखा तैयार करने, योजना बनाने तथा उपलब्ध संसाधनों के उपयोग में सृजनशीलता दिखाना।
- ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता एवं सहयोग से सम्बंधित नैतिक मूल्यों को प्रदर्शित करना।
- अंधविश्वास, पूर्वाग्रह, डर इत्यादि को दूर करते हुए वैज्ञानिक चेतना विकसित करना।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना, बिहार

Bihar Government

unicef for every child